न्यूज डायरी

बुर्का पहनी महिला ने गणेश प्रतिमा को तोड़ा, जमकर किया हंगामा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मनामा। बहरीन के सुपरमॉर्केट में बुर्का पहनी महिला का गणेश प्रतिमा को तोड़ने का विडियो सोशल मीडिया में शेयर किया जा रहा है। इससे हिंदू समुदाय में खासी नाराजगी देखने को मिल रही है। बताया जा रहा है कि यह विडियो बहरीन की राजधानी मनामा के जाफेयर मार्केट की है। जहां बुर्के में खरीदारी कर रही दो महिलाओं ने जमकर उत्पात मचाया। विडियो में दो महिलाएं बुर्का पहने सुपरमार्केट के गलियारे में खड़ी दिखाई देती हैं। जिसमें हिंदू उत्सव गणेश चतुर्थी के लिए भगवान गणपति की मूर्तियां रैक पर रखी दिखाई देती हैं। महिलाओं में से एक ने मूर्तियों को उठाया और उन्हें एक–एक करके फर्श पर फेंकना शुरू कर दिया, जिसके बाद मूर्तियाँ टुकड़ों में बिखर गईं। महिला ने मुस्लिम देश में बेची जा रही गणपति की मूर्तियों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह मोहम्मद बिन ईसा का देश है, क्या आपको लगता है कि उन्होंने इसे मंजूरी दी है?

क्या है डोनाल्ड ट्रंप का ऑपरेशन वार्प स्पीड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कोरोना वायरस से निपटने के लिए ऑपरेशन वार्प स्पीड की तैयारियों में जुटे हुए हैं। अमेरिका में परमाणु बम विकसित करने के लिए मैनहट्टन परियोजना के बाद से इतना बड़ा कोई ऑपरेशन नहीं चला है। इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य अमेरिका में कोरोना वायरस वैक्सीन को बनाने और उसे वितरित करने के लिए एक व्यवस्था का निर्माण करना है। ट्रंप ने इस ऑपरेशन को लेकर 15 मई को ऐलान किया था। अमेरिकी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, ऑपरेशन वार्प स्पीड का लक्ष्य जनवरी 2021 तक कोरोना वायरस की एक प्रभावी और सुरक्षित वैक्सीन की 300 मिलियन खुराक बनाना है। इसमें वैक्सीन के विकास की गति को बढ़ाने के साथ उसके औद्योगिक स्तर पर निर्माण और वितरण को प्रोत्साहित करना है। इस ऑपरेशन के जरिए मरीजों तक टीके की उपलब्धता जल्द से जल्द सुनिश्चित की जाएगी।

चीन में 24 घंटे के भीतर 22 नए कोविड–19 मामले दर्ज किए गए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने सोमवार को कहा कि चीन में पिछले 24 घंटों के भीतर 22 नए कोरोना के मामले सामने आए हैं। रविवार को नए मामलों का आंकड़ा 19 था। आयोग के मुताबिक, यह सभी मामले विदेश से आए हुए थे। बता दें कि पूरी दुनिया में सबसे पहले यह खतरनाक वायरस चीन से निकला था, जिसके बाद लाखों लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, चीन में अब तर कोरोना ने कुल 84,849 मामले सामने आ चुके हैं। 4,634 लोगों की मृत्यु भी हुई है।

मेल–इन–बैलट्स को लेकर अमेरिका में सियासत तेज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन, एजेंसी। डेमोक्रेटिक पार्टी ने डाक–मतपत्रों के पक्ष में अपने अभियान को और तेज कर दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा डाक मतपत्रों की लागत में कटौती के बाद डेमोक्रेट्स ने अपने प्रयास को गति दिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी को यह भय सता रहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप के इस कदम से डाक मतपत्रों की पूरी प्रक्रिया पर ग्रहण लग सकता है। बता दें नवंबर में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होना है। यहां विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी डाक मतपत्रों के जरिए ही चुनाव को संपन्न कराने का प्रयास कर रही है, वहीं राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी इस प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। उधर, हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने इसके समाधान के लिए कानून निर्माताओं की मदद मांगी है। इसके साथ ही डेमोक्रेटिक शासित कई राज्य इस मामले में कानूनी कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। वाशिंगटन पोस्ट ने कम से कम छह डेमोक्रेटिक राज्यों के अटॉर्नी जनरल के साथ वकीलों की हुई वार्ता के हवाले से कहा है राष्ट्रपति चुनाव में डाक सेवा में बदलाव को रोकने के लिए उक्त राज्य कानूनी तरीके अपना सकते हैं। समिति के समक्ष वह मेल डिलीवरी की धीमी गति को लेकर अपना पक्ष पेश करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चेतावनी से टेंशन में चीन

हुंकार

सालों बाद तिब्बत पहुंचे चीनी विदेश मंत्री वांग यी

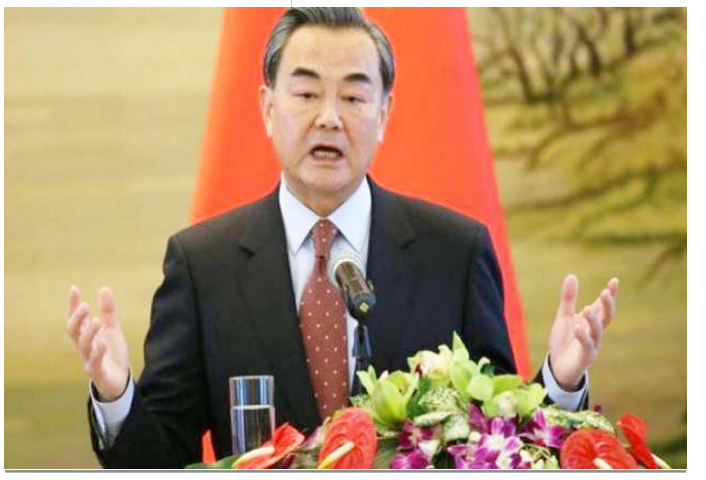

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। भारत के 74वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हुंकार के एक दिन बाद चीन के विदेश मंत्री वांग यी तिब्बत दौरे पर पहुंचे। इस दौरान चीनी विदेश मंत्री ने भारत के खिलाफ खुलकर तो कोई बयान नहीं दिया, लेकिन इशारों में सीमा पर जारी तनाव के बीच तिब्बत की सुरक्षा को लेकर बात की। बताया जा रहा है कि वांग यी 5 साल बाद तिब्बत के दौरे पर पहुंचे हैं।

चीन के शीर्ष नेता कम ही करते हैं तिब्बत का दौराः बता दें कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता तिब्बत का दौरा तबतक नहीं करते जबतक कोई अति महत्वपूर्ण काम न हो। ऐसी स्थिति में वांग यी की तिब्बत यात्रा को सामरिक विशेषज्ञ शक के नजरिए से देख रहे हैं। चीन के शीर्ष नेता के तिब्बत यात्रा को गलवान हिंसा से जोड़ा जा रहा है। जबकि चीन की सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने दावा किया है कि वे पूरे चीन में रिसर्च ट्रिप पर अक्सर जाते रहते हैं।

सीमाई इलाके में सुरक्षा स्थिति का लिया जायजाः इस दौरान वांग यी ने कहा कि तिब्बत की सुरक्षा और स्थिरता चीन के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने राजनयिकों से स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए काम करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि चीन सरकार तिब्बत के लोगों के साथ मिलकर क्षेत्रीय स्थिरता, राष्ट्रीय सुरक्षा और दूसरे देशों के साथ सहयोग के लिए तिब्बत को समर्थन और आर्थिक और सामाजिक विकास सुनिश्चित कर रही है।

संप्रभुता का दावा करने के लिए वांग ने की यात्राः नानजिंग विश्वविद्यालय के एक राजनीतिक विज्ञान के प्रोफेसर गु सू ने कहा कि चीनी विदेश मंत्री की तिब्बत यात्रा अपने आप में अनोखी है। खासकर ऐसे वक्त में जब भारत के साथ सीमा विवाद और अमेरिकी दूतावास को बंद करने को लेकर यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वांग यी की यात्रा से चीन यह संकेत देना चाहता है कि वह सीमाई क्षेत्र में अपनी संप्रभुता को लेकर गंभीर है।

क्या कहा था पीएम मोदी ने

पीएम मोदी ने लाल किले से चीन और पाकिस्तान का नाम लिए बिना चेतावनी देते हुए कहा था कि एलओसी से एलएसी तक आंख उठाने वालों को सेना ने करारा जबाव दिया है। हमारे वीर जवान क्या कर सकते हैं, देश क्या कर सकता है, ये लद्दाख में दुनिया ने देखा है। उन्होंने यह भी कहा कि आज पड़ोसी सिर्फ वो ही नहीं हैं जिनसे हमारी भौगोलिक सीमाएं मिलती हैं बल्कि वे भी हैं जिनसे हमारे दिल मिलते हैं।

मलेशिया में मिली कोरोना की नई किस्म, 10 गुना ज्यादा है संक्रामक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

क्वालालंपुर। मलेशिया में जांचकर्ताओं को कोरोना की ऐसी किस्म का पता चला है जो सामान्य से 10 गुना ज्यादा संक्रामक है। कोरोना के इस म्यूटेशन को दुनिया में डी 614 जी के नाम से जाना जाता है। बताया जा रहा है कि ऐसे मामलों की शुरुआत एक मलेशियाई रेस्टोरेंट मालिक के हाल में ही भारत से लौटने के बाद 14 दिन के आवश्यक क्वारंटीन अवधि को तोड़ने से शुरू हुआ है।

संक्रमण के तेजी से फैलने की संभावनाः आरोपी व्यक्ति को क्वारंटीन के नियम तोड़ने के लिए 5 महीने की सजा और जुर्माना लगाया गया है। ऐसा ही मामला फिलीपींस से लौटने वाले एक समूह में भी देखने को मिला है। जहां 45 लोगों में से 3 के अंदर कोरोना का यह टाइप पाया गया है। अमेरिका के शीर्ष स्वास्थ्य सलाहकार डॉ फौसी ने कहा है कि इस म्यूटेशन से कोरोना वायरस का प्रसार और तेजी से हो सकता है।

वैक्सीन के विकास की स्पीड होगी धीमीः मलेशियाई स्वास्थ्य विभाग के डॉयरेक्टर जनरल नूर हिशाम अब्दुल्ला ने कहा कि कोरोना वायरस के नए म्यूटेशन के गंभीर परिणाम देखने को मिल सकता है। इससे अभी तक वैक्सीन बनाने और म्यूटेशन को रोकने के लिए विकसित की गई तकनीकी भी फेल हो सकती है।

दुनिया में संक्रमण का आंकड़ा 2 करोड़ 15 लाख से अधिक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। पिछले साल के अंत में चीन के वुहान से शुरू हुआ कोविड–19 मात्र तीन महीनों में ही महामारी बन गया। दुनिया भर में जारी प्रकोप के कारण अब तक संक्रमण के मामलों का आंकड़ा 2 करोड़ 15 लाख के पार चला गया वहीं मरने वालों की संख्या 7 लाख 74 हजार से अधिक हो गया है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के अनुसार सोमवार सुबह तक कुल संक्रमण का आंकड़ा 2 करोड़ 15 लाख 8 हजार 8 सौ 93 हो गया और मरने वालों कुल संख्या 7 लाख 73 हजार 9 सौ 34 है। यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम्स साइंस एंड इंजीनियरिंग के नवीनतम अपडेट में यह जानकारी दी गई है।

चीनी कब्जे का खुलासा करने वाले पत्रकार की मौत से सदमे में नेपाली जनता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कांतिपुर टाइम्स में पत्रकार थे बलराम बनिया

काठमांडू। नेपाल की जमीन पर चीन के कब्जे का खुलासा करने वाले वरिष्ठ नेपाली पत्रकार बलराम बनिया की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत से नेपाली लोग भी सकते में हैं। शव मिलने के 5 दिन बाद भी पुलिस उनकी मौत की गुत्थी को सुलझा नहीं पाई है। वह 10 अगस्त को रहस्यमय तरीके से लापता हो गए थे और बाद में 12 अगस्त को उनका शव नदी के किनारे मिला था। उन्होंने जून महीने में नेपाल के रुई गांव में चीन के कब्जे की खबर दी थी।

चीन विरोधी खबरों के कारण हत्या का शकः उनकी मौत की खबर से नेपाल की मीडिया को तगड़ा झटका लगा है। चीन की चाल का खुलासा करने वाले पत्रकार की मौत से कई आशंकाओं को भी बल मिला है। बलराम बनिया नेपाल में चीनी शासन के प्रभाव के सबसे मुखर आलोचक होने के लिए प्रसिद्ध थे। इसके अलावा वे चीन विरोधी डायरी भी प्रकाशित कर रहे थे।

पहले भी नेपाली मीडिया को धमका चुका है चीनः कई प्रेस यूनियनों और पत्रकार संगठनों ने निष्पक्ष जांच के लिए दबाव डाला है जिसमें नेपाल प्रेस यूनियन, नेपाली पत्रकारों का संघ, स्वतंत्रता मंच और कई अन्य शामिल हैं। ये सभी ओली सरकार को बलराम बनिया की रहस्यमय मौत के पीछे की सच्चाई को सार्वजनिक करने के लिए कह रहे हैं। उनका कहना है कि उनकी मौत को चीन के खिलाफ प्रकाशित की गई खबरों से जोड़ा जा सकता है, क्योंकि उनकी शंका निराधार नहीं है। चीन पहले भी नेपाल के कई समाचारपत्रों पर दबाव बना चुका है। बलराम बनिया नेपाल में सबसे ज्यादा पढ़े जाने वाले अखबारों में से एक द कांतिपुर टाइम्स में सहायक संपादक थे। उनकी उम्र 50 साल के आसपास थी और वे नेपाल की नौकरशाही, शासन और राजनीतिक व्यवस्था की गहरी समझ रखते थे।

कमला हैरिस ने भारतीय–अमेरिकी को अपना प्रेस सचिव किया नियुक्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेट की उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने भारतीय–अमेरिकी सबरीना सिंह को प्रचार अभियान के लिए अपना प्रेस सचिव नियुक्त किया है। सबरीना इससे पहले डेमोक्रेट के राष्ट्रपति पद के दो उम्मीदवारों की प्रवक्ता रह चुकी हैं। नवम्बर में होने वाले चुनाव में राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेट के संभावित उम्मीदवार जो बाइडेन ने पिछले सप्ताह भारतीय–अमेरिकी कमला हैरिस को उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना था। सिंह ने कहा, '' कमला हैरिस की प्रेस सचिव बन काफी उत्साहित हूं। काम शुरू करने और नवम्बर में जीत दर्ज करने को लेकर उत्साहित हूं।'' सिंह पहली भारतीय–अमेरिकी हैं, जिन्हें किसी बड़े राजनीतिक दल के उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का प्रेस सचिव नियुक्त की गया। लॉस एंजिलिस की रहने वाली सिंह पहले 'डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी' की प्रवक्ता थीं। इस बीच, श्रीलंकाई अमेरिकी रोहिणी कोसालु को हैरिस को सलाह देने के लिए वरिष्ठ पद पर नियुक्त किया गया है।